GOVT. OF BIHAR
REGISTRATION, EXCISE & PROHIBITION DEPT.
MADHUBANI COURT MADHUBANI
COURT FEE
Authorisation No. 2007

भारत STAMP DUTY बिहार
00000 JUDICIAL
Rs. 0000100 01 8 2014
374146 BIHAR
INDIA Zero Zero Zero Zero One Zero Zero
2773 6220585

प्ररूप 26
(नियम 4क देखिए)

WELFARE STAMP
बिहार BIHAR
पाँच रुपये RUPEES FIVE

C. No 24217. A.D. No. 41
Rs-105.00.

37 राजनगर विधानसभा .... निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान सभा .... (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए

रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग –क

मैं लाल पासवान **पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री देवेन्द्र पासवान आयु 52 वर्ष, जो ग्राम - कुनवार, पो० - समरी, थाना + प्रखंड - राजनगर, जिला - मधुबनी, (बिहार) .... (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/ करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/ करती हूँ :–

(1) मैं अखिल भारतीय मिथिला पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 37 राजनगर बिहार विधानसभा (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं० 110 के क्रम सं. .... पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 8407840381 है/हैं और मेरा ई–मेल आईडी (यदि कोई हो तो) शून्य .... है।

Solemnly affirmed/declared By
Lal Paswan
Who has been Indetified by
Sri/Smt. R. K. Jha
01.08.14
Sanjeev Kumar Jha
NOTARY MADHUBANI (BIHAR)

Office of Sri Sanjeev Kumar Jha
Reg. No. 7426 (16) 12
NOTARY
Madhubani (Bihar)

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1	स्वयं	शून्य	शून्य	शून्य
2	पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य
3	आश्रित–1	शून्य	शून्य	"
4	आश्रित–2	शून्य	शून्य	शून्य
5	आश्रित–3	शून्य	शून्य	शून्य

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :–

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शून्य
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	शून्य
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शून्य
(ड़)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	शून्य
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	शून्य

Office of ... Reg. No. ...

1.8.14

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है {पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न}:-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है।	शून्य
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	शून्य

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नही ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/ नहीं दिया गया है:

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा :

नम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	शून्य
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	शून्य
(ग)	अधिरोपित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/ है। यदि हाँ, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	शून्य

Office of Sri Sanjeev Kumar Jha
Reg. No.
7426 (19) 12
NOTARY
Madhubani (Bihar)

1.8.14.

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीच देता हूँ :

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 –संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं०, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3– सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4– यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 75 क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 – रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित –1	आश्रित –2	आश्रित –3
(i)	हाथ में नकदी					
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कम्पनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	[illegible] खाता सं. 33730100-005985 जमा रकम-5000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखितों में विनिधान और रकम	भारतीय जीवन बीमा निगम [illegible] बीमा राशि -200000/- जमा प्रीमियम -18000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास					

	आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	सोने का कंगन रु.-7000/- चांदी का पायल रु.-7000/-	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	समग्र कुल मूल्य	रु.-185	रु.-14000/-	शून्य	शून्य	शून्य

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 –संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 –प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित –1	आश्रित –2	आश्रित –3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ)					
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	5 कट्ठा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रयं की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	रु.-1000000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Office of Sri Sanjeev Kumar Jha
Reg. No. 7426 (10) 12
NOTARY
Madhubani (Bihar)

1.5.14

	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य			
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य			
	विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य			
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य			
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य			
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य			
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य			
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य			
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य			
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य			
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोइ विनिधान	शून्य	शून्य			
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य			
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ)	[illegible]	शून्य			
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	2 कट्ठा	शून्य			
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	2 कट्ठा	शून्य			
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	शून्य			
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य			
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य			
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य			

1.8.14

	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	300000 रु		शून्य		
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य		शून्य		
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	300000/- रु		शून्य		

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

(टिप्पण :– कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्रम.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित –1	आश्रित –2	आश्रित –3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य			
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य			
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य			
	दायित्वों का कुल योग					
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	शून्य	शून्य			
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य			
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य			
	टेलीफोन/मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य			
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य			
	आय–कर शोध्य	शून्य	शून्य			
	धनकर शोध्य	शून्य	शून्य			
	सेवाकर शोध्य	शून्य	शून्य			
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य			
	विक्रयकर शोध्य	शून्य	शून्य			

Office of Sri Sanjeev Kumar Jha
Reg. No. 7426 (16) 12
NOTARY
Madhubani (Bihar)

1.8.14.

	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य			
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य			
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	शून्य	शून्य			

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं .... मजदूरी ....

(ख) पति या पत्नी .... गृहिणी ....

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है :– मैट्रिक उत्तीर्ण

राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय, [illegible]

मधुबनी तृतीय श्रेणी - 1990

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दे)

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गऐ ब्यौरे का उद्धहरण

1.	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कु० लाल पासवान
2.	डाक का पता	ग्राम - कुनवा, पो० सिमरी, थाना - राजनगर, जिला - मधुबनी
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	37 राजनगर, बिहार
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	अखिल भारतीय मिथिला पार्टी
5.	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	शून्य
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है	शून्य

1.8.14

	(ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न)			
6.	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	शून्य		
7.		..........का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	शून्य	शून्य	
	(ख) पति या पत्नी	शून्य	शून्य	
	(ग) आश्रित	शून्य	शून्य	

8.	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपए में)						
		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क.	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)						
ख.	स्थावर आस्तियां						
	I	स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य			
	II	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य			
	III	निम्नलिखित की अनुमानित वर्त्तमान बाजार कीमत	शून्य	शून्य			
		(क) स्वअर्जित आस्तियाँ (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य			
		(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	300000/- रु०	शून्य			

Office of Sri Sanjeev Kumar Jha
Reg. No
7426 (16) 12
NOTARY
Madhubani (Bihar)

1.8.14.

9.		दायित्व					
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य			
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य			
10.		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं	शून्य	शून्य			
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य			
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य			

11. उच्चतम शैक्षिक अर्हता : मैट्रिक उत्तीर्ण

राजकीय माध्यमिक उच्च विद्यालय [illegible]

मधुबनी, उत्तीर्ण वर्ष - 1990.

(प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय/शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और बिश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ

कि :–

(क) मेरे विरूद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है :

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 1/8/2014 को सत्यापित किया गया।

लाल पासवान

Identify the deponent who has Signed/put L/R T.I. in my presence

[illegible]
Advocate 1/8/14

7.8.14.

अभिसाक्षी

टिप्पण— 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण— 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण— 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण— 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण— 5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121–2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामाले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ–पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये है, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नही' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण— 6. शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं...

मेरा ई–मेल आई० डी० (अगर कोई हो) है...

एवं मेरा सोशल मीडिया एकांउट्स (अगर कोई हो) है...

टिप्पण— 7. शपथ पत्र के पारा 8 में वित्तीय संस्थानों के प्रति दायित्वों में विदेशी बैंकों/संस्थाओं में जमा/निवेश सहित सूचना दें।